राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

प्राध्यापक–लोकप्रशासन (विद्यालय शिक्षा)
माध्यमिक शिक्षा विभाग के पदों की संवीक्षा परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

1. **प्रस्तावनाः** लोक प्रशासन का अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति और महत्व, निजी प्रशासन तथा लोक प्रशासन, लोकप्रशासन का एक शास्त्र के रूप में विकास।

2. **प्रशासन के सिद्धांत और नियम**–वैज्ञानिक प्रबन्ध, नौकरशाही प्रतिरूप, शास्त्रीय विचारधारा, मानव सम्बन्ध सिद्धांत, व्यवहारवादी दृष्टिकोंण, व्यवस्था दृष्टिकोण, पद सोपान के सिद्धांत, आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, प्राधिकार (सत्ता) और उत्तरदायित्व, समन्वय, प्रत्यायोजन, पर्यवेक्षण, सूत्र और स्टॉफ (लाइन और स्टॉफ)

3. **प्रशासनिक व्यवहार**– निर्णय निर्माण, नेतृत्व के सिद्धान्त, संचार एवं प्रेरणा।

4. **कार्मिक प्रशासन**–विकासशील समाज में सिविल सेवा की भूमिका, पद वर्गीकरण, भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, वेतन और सेवा–शर्ते, तटस्थता और अनामता।

5. **वित्तीय प्रशासन**– बजट की संकल्पना, बजट निर्माण और उसका कार्यान्वयन, लेखा और लेख परीक्षा।

6. **प्रशासन पर नियंत्रण**– विधायी, कार्यपालिका और न्यायिक नियंत्रण, लोकमत और प्रशासन।

7. **तुलनात्मक लोक प्रशासन**–तुलनात्मक लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र, समपर्श्वीय साला प्रतिरूप के विशेष संदर्भ में फ्रेडरिग्स का योगदान, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, इंग्लैण्ड और फ्रांस की प्रशासनिक पद्धतियों की मुख्य विशेषताएं।

8. **विकास प्रशासन**–विकास प्रशासन की संकल्पना क्षेत्र एवं महत्व, प्रशासनिक विकास की संकल्पना, लोक नीति प्रक्रिया।

9. **भारतीय प्रशासन का विकास**–कौटिल्य, मुगलकाल एवं ब्रिटिश काल में प्रशासन का विकास।

10. **भारत में केन्द्रीय प्रशासन**–भारतीय प्रशासन का संवैधानिक संदर्भ, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एक वास्तविक कार्यपालिका के रूप में, केन्द्रीय सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, योजना आयोग, वित्त आयोग, भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, लोक उद्यमों का मुख्य स्वरूप।

11. **भारत में सिविल सेवा**– अखिल भारतीय और केन्द्रीय सेवाओं की भर्ती, संघ लोक सेवा आयोग, भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा का प्रशिक्षण, सामान्यश और विशेषश
केन्द्र राज्य सम्बन्ध–विधायी, प्रशासकीय एवं वित्तीय सम्बन्ध।

12. **राज्य, जिला और स्थानीय प्रशासन**–राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सचिवालय, मुख्य सचिव, निदेशालय राजस्व, कानून तथा व्यवस्था, विकास कार्य प्रशासन में जिलाधीश की भूमिका, पंचायत राज व्यवस्था, शहरी स्थानीय शासन की प्रमुख विशेषताएँ, संरचनाएँ एवं समस्या क्षेत्र।

13. **भारतीय प्रशासन के प्रमुख मुद्दे–** प्रशासन में सत्य निष्ठा, प्रशासन में नागरिकों की सहभागिता, राजनीतिक कार्यपालिका एवं स्थायी कार्यपालिका के मध्य सम्बन्ध।

14. **कल्याण के लिए प्रशासन–** कमजोर वर्गों विशेषतः अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए प्रशासन, राजस्थान में महिला एवं बाल कल्याण के लिए कार्यक्रम।

15. **प्रशासनिक सुधार**–संगठन एवं प्रणालियाँ, प्रशासनिक सुधार प्रक्रियाएँ एवं बाधाएँ, नागरिकों की शिकायतों का निवारण–लोकपाल एवं लोकायुक्त।

....

नोट– प्रश्न–पत्र की योजना–

प्रश्न–पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार (Objective Type) का होगा।

प्रश्न–पत्र 100 अंकों का होगा।

प्रश्नों की संख्या–100 होगी।

प्रश्न–पत्र की अवधि–दो घंटे होगी।

सभी प्रश्नों के अंक समान होगें।

प्रश्न–पत्र ऋणात्मक अंकन (Negative Marking) का होगा।